

मिह... सुम...

॥ ईं भिन्नमित्रा कुरु नराणां ॥ **महाय** ॥ श्री इमहाला ॥ **वासा नयय** ॥

॥ भयनाला ॥ **ससहाय** ॥ ईं धा कनय कला ॥ **यनरवतसाय** ॥ **ययय**

महाय ॥ ईं हसुरगव तव कुरु नराणां ॥ **महाय** ॥ **महाय**

॥ **महाय** ॥ ईं **महाय** ॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥

॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥ **महाय** ॥

1.541

ASHA ARCHIVES

वज्रसत्त्व विद्यया न सा नमः ॥ मधुप्रथिय ॥ ॐ सवत्तथागतसुवर्णधरसा
दा ॥ या नमः नमः ॥ यनधन ॥ मन्त्रिस्त्वनरुमिमधमकागादीचक्रवि
ज्ञसत्ता तमस्तारुत वायुज्जगताडानि ॥ मडनवृत्तसुकात्रवम्यरमधु
न ॥ सिद्धासनयितव्यमचदग्नावजसत्त्वदिरुजि नुक मषसुकवर्ण
वज्रवज्रद्वयधनवीरितारसन ॥ रुवितसितसिचिद्वानधानन नुदनि
नव धर्मकृतनक ॥ रगद्वतगुरुधनः गरुवजसत्त्व रगता नकायजादा

वमनाद्ययतनकुसासा ॥ यादादाग्र ॥ मधुप्रसक्तनमः ॥ ॐ तमधमवसा
सा ॥ ॐ तं धधनम ॥ गुरुम्यत्रवनम ॥ यववविदित्तयनम ॥ वज्रवाधि
यायनम ॥ लज्जवज्जगदायनम ॥ दडतनकवनायनम ॥ याडवधिवाय
नम ॥ गडयुधियायनम ॥ लाठयुधियायनम ॥ दडयुधियायनम ॥
नयखलनायनम ॥ वज्रगुरुयनम ॥ दलिलन्यायनम ॥ यावकुरुना
यनम ॥ गामनितनायनम ॥ गुरुगनायनम ॥ दासमधननम ॥ नधर

उरुथमासकामनाय॥ उरुसदासकनजागसाया॥ नुकागकनाश्यासकनिर
य॥ यमस्यरुगडाव॥ तमथकन॥ दसकदकन॥ डकनसवामकसवरुस॥ विसध
वधनिरय॥ दयनयसथनवकंदसककामना॥ दनसता॥ आसतामडयना॥ म
ताकरनामडीतायका॥ केसरवसध॥ समधमाना॥ सरवसध॥ सनाता
रुनवजससकामकई॥ सन्यविसव॥ ॥ थनथान॥ ॥ यममदनसमकान्य
यवतामडर॥ नसवायुवित्सलमककसा॥ दशनात्रमखाजागा॥ यममा

तडताकामरवकय॥ श्रीरकरककननामसमन॥ श्रीकानमडकानःरु
००॥ ता१यवगत्ररुदक०॥ नकायिथित॥ सन्यविसव॥ तत्र॥ यवसकध॥
दकात्रमयादयरव॥ सकधवशरनवडनासकध॥ वजस्यसस्यनसध॥ य
मन्यपश्रिःसरवनसकध॥ वजनाडाविसनसकध॥ वजसतःसवतधगतत
श्रीरकरवज॥ रकूमसावज॥ शनतयविषवज॥ दानया००॥ वावज॥ वकतयानागव
०॥ सवईसमासमीठज॥ सवामन्य०॥ सूर्यवज॥ याथिवाधतयातन्या॥ ज्ञाव

भक्तमानसः॥ तत्र धनं न भवति॥ वासुधैव कुटुम्बकम्॥ अकारसंभवेन
 निःप्रतापके धनं न भवति॥ तत्र धनं न भवति॥ तत्र धनं न भवति॥ तत्र धनं न भवति॥
 दुर्नेयमनस्य धनं न भवति॥ यत्तु मदनं॥ तत्र धनं न भवति॥ तत्र धनं न भवति॥ तत्र धनं न भवति॥
 नाम्न न विरुद्धं सवनं सदा॥ रगतं तत्कनकं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥
 स्त्रीतं॥ ॥ मन्त्रेण कानि न स्याः कातमानः वज्रवाचा दीप्त्या न भवति॥ हस्तदायन
 ॥ वज्रवज्रं धनं॥ विष्णुतामसं कृतमदितं॥ कथानमना॥ न कृतं सख्यं न ज्ञ

१५

रुदधनं॥ विष्णुवज्रं कानि न भवति॥ विज्ञानं न दत्तं कनसी खन॥ सिद्धिना न भवति
 सानि न द्याययमानं न भवति॥ साधनं न सिद्धिं न भवति॥ सताधनं न॥ खतं न द्याय
 न द्याय न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥
 समुत्ताय स मन्त्रं॥ वक्तुं न शक्यं मदीयं॥ वृत्तं प्रवृत्तं न भवति॥ तत्तु
 रगतं तत्कनकं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥
 खदमं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥ अत्र धनं न भवति॥
 ३३३

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुडाका म
कान ललि

श्रीवक्रसंवल

वक्राकसत्रः वक्रयास

साय श्रीवक्रसंवल रुगता

साता नई वई ॐ अहः धनमृत्तमृत्तनया

तामायई ५६ ॐ खल, तामयई ५६ ॐ नृशिव

कतातकई ५६ ॐ समय कतातकई ५६ विसमयकतात
कई ५६: समय विसमयकतातकई ५६: कतर वय ५६ यई ५६
ॐ कतर २५ ५६ कयई ५६ ॐ वध २५ रामतियई ५६ ॐ ता
स २ मता नासाई ५६ ॐ कृ २ विलमताई ५६ ॐ सा २ खवति
यई ५६ ॐ ती २ न वृ ५६ तियई ५६ ॐ क २ वृ वययई ५६ ॐ
५६ २ ॥ वृ तावतियई ५६ ॐ दह २ मताहेलवायई ५६ ॥

154/

पयः वायु वायु गह दः ॐ ह क व स त धि ता क मा ता व वि न्य स ता ह कि म
 है दः ॐ ग २ स य या त ग त र ग ग स स वा त क य २ है दः ॐ स्या मा
 द वि य है दः ॐ आ वं २ स र द है दः ॐ कि २ रु कि क ल है दः ॐ ॐ २
 ए व ग म ता मी नी न्य है दः ॐ आ २ य क व है दः ॐ ॐ २ ए व ॐ ता य है दः ॐ
 ॐ कि रे ॐ लु नि य है दः ॐ ॐ २ य व मि नि य है दः ॐ कि लि म ल
 व त है दः ॐ ॐ यि लि २ रु क व ति नि य है दः ॐ ॐ यि पि २ म ल वि य है

४ ज त स य दः ॥ वा

दः ॐ का २ स्या य है दः ॐ व न् का स है दः ॐ ॐ स्या ना स है दः ॥ १२ क
 ना स्या य है दः ॐ क म दा ठि है दः ॥ क ल इ ति य है दः ॐ ॐ क म द वि नी य
 है दः ॥ क म थ नि य है दः ॐ ॐ द्रा ग ह न य है दः ॐ ॐ ग ह ना य है दः ॐ
 ग ह ना य है दः ॥ क ना क म द दः ॥ क न क स र व न स म द दः ॥ क लि क
 ना य य द दः ॥ स र ल ना त म द दः ॐ वि ना स नि नि य न मा म द ॥ थ
 न य य द ना य द्रा या रा ॥ श न स्र द स म स्या द थ ना ज न द ती ॥ ॐ व न र
 द ॥ व न ना क र व ॥ व न ना क म दः व न वा स दः व न स त दः व न ना व स

नाथ क ना य द

[illegible]

अरुगमनः काधमृताननाति सानेडा सान्नाग विविधतसयता
 अरुगयेकनृत्तामृतासमृदिता गिवायगतवसनाः वादश्रधव
 नागसिन्दुतावनसततं॥ इहसकृपु सवदि॥ कुलिनायका॥ किमा
 स्यानगरुडावसानकलगा॥ नानादिनीं धानादुनाशीसंघीधिवि
 धना॥ कलंगवाताहिकावक्रिनि॥ सवसिधियुदायका॥ अरुगवति
 दविनमः सवदायानिन्याखलभाहृन्तः सयात्रिनि सवसगा

सनिताः दिव्यना सुविन मया श्रीगिष्वातिव लि काः यत्रा नोद
कम कमानन श्रुतव तिलासि तागतलनाः स्या माधूमलधूसना द
सततः वद सदा ताद दिश्रुता कलना कनते धातुक सा सदा क
व्रीत कस्या गिव न कन मन्क वरु जा गिगत्य ॥ कृतकालित म
नूमादि ॥ तमद्य मषि निल हित निखिल डीषा ॥ पुति दसया मि
पूनतल पुन कल संसल विदध तश्च वक खग क्रिन्नाः तमन्ति

नसूत सस श्रुतमादमि कसतानि श्रुतमादितानि वासम कव
तिना मयामि ॥ किनल तादितितय गत्व समगतन सद्य सव न वा
धायितध श्रुत तल माग ॥ ७० ॥ दिश्राग ॥ ७१ ॥ अहं अरिषा कयित
मासवत थगत अरिषा कमा यरुति धातुक नभा रूत ॥ ददा मि
सववृध नातिगता वय ससूरुव ॥ ७२ ॥ तसववृधे नाश्रुग मा
कपूतनायकं मकृत पद कु शारुव ॥ ७३ ॥ सववृध मताम क

त्यतिरुसाहा॥ॐ वक्रधातुः श्रुतिः श्रुतिविदितमा॥ॐ सप्तवक्रि
ॐ सप्तवक्रि॥ॐ धम्मवक्रि॥ॐ मवक्रि॥ॐ श्रुतिविदितमा॥ॐ हे प्रजि
रव॥ॐ वक्रतस्याहा॥ अथादिष्य कर्ममसिद्धवक्रादिष्य कर्म॥
उतसवद्धत॥ॐ अक्रवक्रसिद्धय॥ॐ वक्रधियतित्वा मरिवि
यामि॥ॐ तिवक्रसमयसिद्धहा॥ अथॐ वक्रासवमरिवियाव
वक्रनामादिष्य कर्म॥ हे अम्रकवक्रत आगत रुवरुसुद्ध॥ अथादि

ज्ञातमात्यनमायिता अद्विद्यनवातिना॥ॐ अश्रुतिविदितमा॥ॐ सप्तवक्रि
अयहे॥ सना॥ धनवद्धयुक्ता॥ अक्रवक्रनयाद्यादियुष्यहास॥ पयव्
धरुगतालकायवाद्यायमनाद्यपुतिरुसाहा॥ धनसानवाय॥ॐ
अमामहावेनायनायसाहा॥ॐ अक्रासायसाहा अयसतन
सरुवायसाहा॥ॐ अमृतारुवायसाहा॥ॐ अमृगसिद्धि
साहा॥ॐ ८ नायनायसाहा॥ मामकियसाहा॥ पादनायसाहा

ॐ अथा ताना य म्माता ॥ ॐ वज्रवृष्यपुतिरु म्माता ॥ पयसा लवज्जा
नमस्य पयवृष्यना ज्ज क्खवा धिक्कनये व म धा वे ना य ना य म्माप
वद्धन मा मिह ॥ ॐ ति म क्कता रा वना ॥ थन विइया तु विय ॥ ॐ न
मारुग व ति वि ना वि य ॥ ॐ ना य हे फ ॥ ॐ मत्त क्क वा मि स नि ला य
हे फ ॥ ॐ न म ज्ञा ता म क्क ता वा य हे फ ॥ ॐ न मा ड्क क्क ना ग दि व न
म्मा य हे फ ॥ ॐ न मा पु न ॥ ॐ वा ॥ ॐ ड्क ॥ ॐ ना व ना ग ध न य हे फ

ॐ न मा ॥ वा व व मा य हे फ ॥ ॐ न म ॥ मत्त धू मा ध का ना य हे फ ॥ ॐ न म
रुग व ति व ज्ज वा ना हि ॥ ॐ अथा ज्ज य ना ज्जि त्वा ते सा मा त्म मत्त वि ॥ ॐ
ति ॥ स व रु ता व या व ह मत्त व ज्ज ॥ व ज्ज स न्ना ॥ ॐ ज्जि त्वा ज्ज पु ना ज्जि त्वा
व ह य क ति ॥ वि ख नि ॥ ता य नि का त ध नि ॥ क्क ना नि नि ॥ स ग्रा स नि
ना स नि स य रु ति नि ॥ य ना क्क य वि क्क य क रु नि त रु नी म्मा ता नि
व ज्ज वा ना हि मत्त ना नि मि का म ॥ ॐ ति हे फ ॥ ॐ सा ता ॥ थन त्थ ज्ज वा य

ज्ञानवाय॥ अनयययज्ञानयज्ञ॥ तास्या॥ त्ति॥ अथ भावजन॥
मशीयकसंज्ञनाय॥ सव हृहान सदनरुगदथयुसाधकयि
नामनिगविहृताशीसमननमामिह॥ थनसमयधाताकाश
। अथनकनसपुता॥ धययाय॥ रगवाशीशीसुवर्धकभावनवि
विद्यातकविश्वऽधनमाताकातज्ययुधिवंदममाताशील
मिपेशाननभगनरुतात्रयस्या॥ वरुपनिशातयामिहं

ततात्रापःकनसायति संखवरुप्रतिथायययसुगुऽक्रिय
तात्राकुरुइवाक॥ सहित्यनःमलमःप्रतिअवयत्॥ अतक
महायुःपत्रामतदकथ०ज्ञान॥ समयसमज्ञानसत्वम्यका
तिरावययिगुय॥ थननिताजन॥ अथखडगायहंसवविद्युत
नरुहक॥ यतप्रतिज्ञा॥ अथखडगायहंसविद्यातकतःसववि